B.Com Part – II (1)
Planning and Economics Development

आर्थिक नियोजन का महत्व (Importance of Economic Planning)

Q:– आर्थिक नियोजन के महत्व का वर्णन करें।

Ans — आधुनिक युग नियोजन का युग है। इस संबंध में रोबिन्स ने कहा है कि ~~कि~~ 'अभी हम भले ही समाजवादी न हो परन्तु सभी निश्चित रूप से समाजवादी है।
उर्विन के शब्दों में, "आज हम सभी योजना निर्माता है। वास्तव में नियोजन उन सभी विषयों में से एक है जिस पर आज कोई वाद-विवाद नहीं किया जा सकता है।" आधुनिक समय में आर्थिक नियोजन का महत्व बहुत ज्यादा बढ़ गया है इसलिए विश्व के अधिकांश देश तीव्र आर्थिक विकास के लिये नियोजन का ही सहारा लेते है। विशेष रूप से अविकसित एवं विकासशील देशों के लिये नियोजन का विशेष महत्व है जिसके प्रमुख कारण निम्नलिखित है —

(1) सीमित साधनों का समुचित उपयोग — अर्द्धविकसित देशों में साधन सीमित एवं अपूर्ण होते है जिससे तीव्र विकास करना सम्भव नहीं हो पाता है। अतः सीमित साधनों का अधिकतम उपयोग के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम का निर्माण करना आवश्यक है। नियोजित अर्थव्यवस्था के अन्तर्गत साधनों का उपयोग करते समय उनकी मांग एवं पूर्ति में समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया जाता है।

(2) निर्णय एवं कार्य प्रणाली में समुचित समन्वय — एक नियोजित अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय नियोजन द्वारा जो निर्णय

लिये जाते हैं व विवेकपूर्ण एवं आर्थिक दृष्टि से न्याय संगत होते हैं।

(3) आर्थिक एवं सामाजिक विषमताओं पर रोक — आर्थिक एवं सामाजिक विषमताओं को कम करने के लिए भी नियोजित अर्थव्यवस्था का महत्व अधिक है। नियोजन से अर्थव्यवस्था में आय एवं धन का समान एवं न्यायपूर्ण वितरण होता है जिससे आर्थिक विषमताएं कम होने लगती हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षा एवं प्रगति के समान अवसर प्रदान किये जाते हैं।

(4) उत्पत्ति के साधनों का अनुचित वितरण — नियोजन द्वारा अर्थव्यवस्था में उत्पत्ति के साधनों का वितरण सामाजिक लाभ को ध्यान में रखकर किया जाता है। निजी हित के स्थान पर सामाजिक हित को अधिक महत्व दिया जाता है।

(5) तीव्र आर्थिक विकास — आर्थिक नियोजन की तकनीक को अपनाकर विकास की दर में तीव्र वृद्धि की जा सकती है। इसका कारण यह है नियोजन द्वारा अर्थव्यवस्था उत्पत्ति के साधनों का आवंटन नियोजन अधिकारियों के विवेकपूर्ण निर्णयों के आधार पर ही होता है।

(6) संतुलित विकास — किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के संतुलित विकास के लिए नियोजन ~~अधिकारियों के विवेकपूर्ण निर्णयों के आधार पर ही होता है।~~ का बहुत महत्व है नियोजन द्वारा अर्थव्यवस्था में एक क्षेत्र का विकास दूसरे क्षेत्रों के विकास के साथ इस प्रकार समन्वित होता है कि अर्थव्यवस्था का संतुलित विकास हो सके।

(7) पूंजी निर्माण में वृद्धि — नियोजन द्वारा अर्थव्यवस्था में पूंजी निर्माण की दर अधिक होती है। इसका कारण है कि नियोजन द्वारा इसके लिए राष्ट्रीय आय का कुछ न कुछ भाग बचत के रूप में अवश्य रखा जाता है जिससे पूंजी निर्माण की दर में वृद्धि होती है। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक उपक्रमों से प्राप्त बचतों का पुनः विनियोजन किया जाता है।

(8) सार्वजनिक वित्त — ~~कम~~ वर्तमान समय में आर्थिक तथा सामाजिक कार्यों का अधिकांश उत्तरदायित्व सरकार के कंधों पर होता है। सरकार कर लगाकर जनता से प्राप्त धन-राशि को सार्वजनिक वित्त के कार्यों में व्यय कर देती है। जनता से प्राप्त धन का उचित उपयोग योजनाबद्ध ढंग से ही सम्भव हो सकता है।

(9) जनसंख्या में वृद्धि — विश्व में बढ़ती जनसंख्या की समस्या के समाधान के लिए आर्थिक विकास के महत्व को अनुभव किया जा सकता है तथा आर्थिक वृद्धि को सम्भव कर सकता है भोजन का प्रबंध करते समय जनसंख्या पर नियंत्रण लगाने पर भी नियोजन द्वारा जोर दिया जाता है जिससे देश का आर्थिक विकास तीव्र गति से हो सके।

X ——— X ——— X

Dr. Raj Kumar Prasad
Associate Professor
Deptt. of Commerce
Shershah College
SASARAM